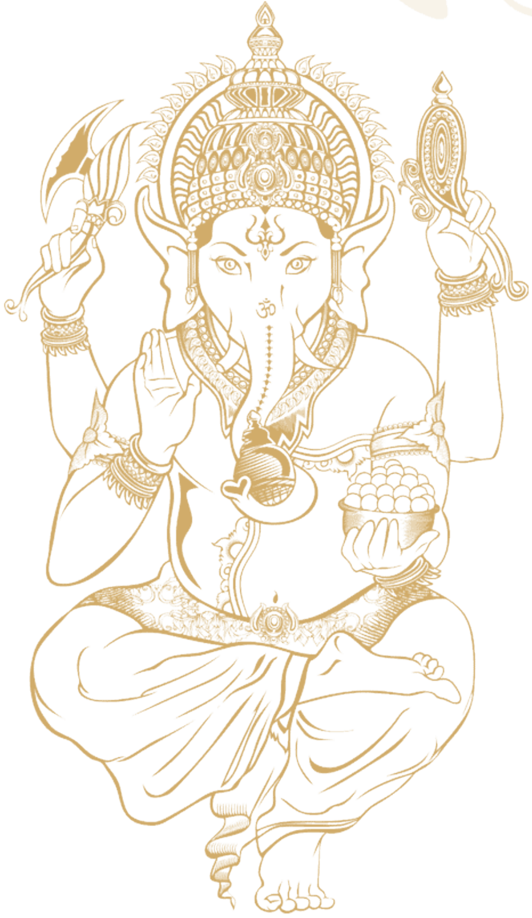

Ku. Vishakha yadav

05 Nov 2003

03:00 AM

Bhilai

Model: web-freekundliweb

Order No: 120375402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**4-05/11/2003**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	52:08:26 घटी
स्थान	**Bhilai**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:13:00 उत्तर
रेखांश	81:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:55:44 घंटे
वेलान्तर	00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल	05:50:35 घंटे
सूर्योदय	06:08:37 घंटे
सूर्यास्त	17:27:01 घंटे
दिनमान	11:18:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:08:21 तुला
लग्न के अंश	03:53:42 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:53:42	336:43:45	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			तुला	18:08:21	01:00:07	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			मीन	02:12:48	12:22:51	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल			कुंभ	14:55:49	00:24:22	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध		अ	तुला	24:35:49	01:34:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु			सिंह	19:47:58	00:09:26	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चिक	08:34:11	01:14:36	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि	व		मिथु	19:14:30	00:01:06	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
राहु	व		मेष	26:34:30	00:01:12	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:34:30	00:01:12	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:59:38	00:00:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	16:32:23	00:00:26	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चिक	24:30:22	00:01:55	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मिथु	03:55:52	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:24

लग्न-चलित

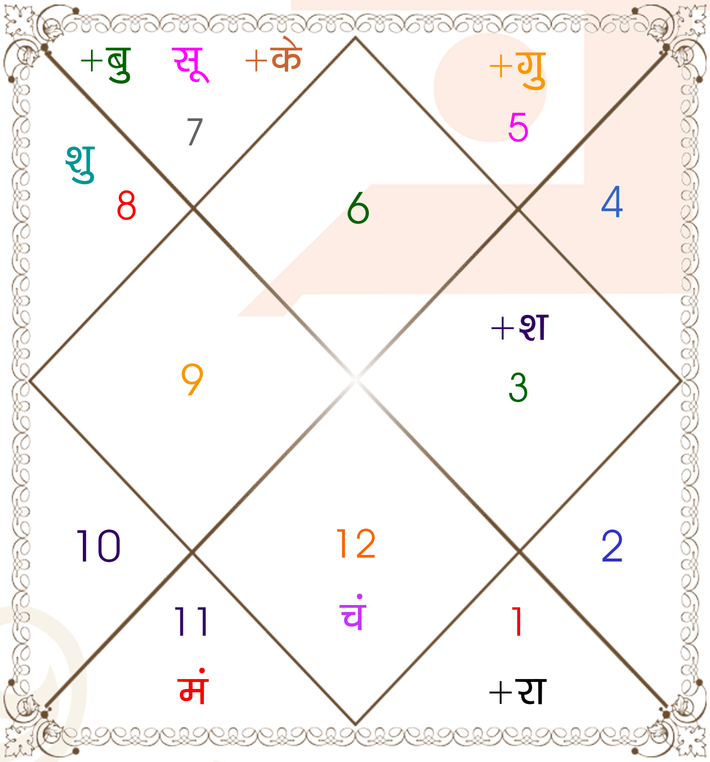

चन्द्र कुंडली

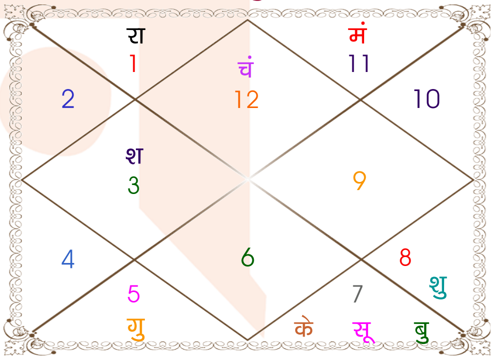

नवमांश कुंडली

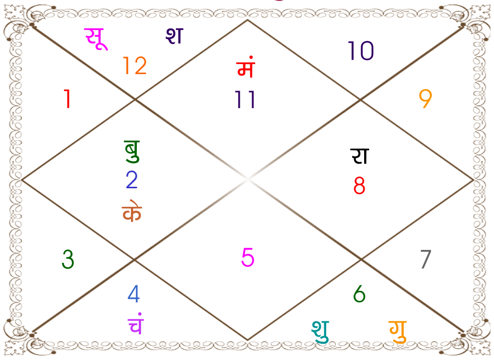

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 4 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/11/2003		10/03/2005		09/03/2024		10/03/2041		09/03/2048	
10/03/2005		09/03/2024		10/03/2041		09/03/2048		09/03/2068	
	00/00/0000	शनि	12/03/2008	बुध	06/08/2026	केतु	06/08/2041	शुक्र	10/07/2051
	00/00/0000	बुध	20/11/2010	केतु	03/08/2027	शुक्र	06/10/2042	सूर्य	09/07/2052
	00/00/0000	केतु	30/12/2011	शुक्र	03/06/2030	सूर्य	11/02/2043	चंद्र	10/03/2054
	00/00/0000	शुक्र	01/03/2015	सूर्य	09/04/2031	चंद्र	12/09/2043	मंगल	10/05/2055
	00/00/0000	सूर्य	11/02/2016	चंद्र	08/09/2032	मंगल	08/02/2044	राहु	10/05/2058
	00/00/0000	चंद्र	11/09/2017	मंगल	05/09/2033	राहु	25/02/2045	गुरु	08/01/2061
	00/00/0000	मंगल	21/10/2018	राहु	24/03/2036	गुरु	01/02/2046	शनि	09/03/2064
	05/11/2003	राहु	27/08/2021	गुरु	30/06/2038	शनि	13/03/2047	बुध	08/01/2067
राहु	10/03/2005	गुरु	09/03/2024	शनि	10/03/2041	बुध	09/03/2048	केतु	09/03/2068

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
09/03/2068		10/03/2074		09/03/2084		10/03/2091		11/03/2109	
10/03/2074		09/03/2084		10/03/2091		11/03/2109		06/11/2123	
सूर्य	27/06/2068	चंद्र	08/01/2075	मंगल	05/08/2084	राहु	20/11/2093	गुरु	29/04/2111
चंद्र	26/12/2068	मंगल	09/08/2075	राहु	24/08/2085	गुरु	15/04/2096	शनि	09/11/2113
मंगल	03/05/2069	राहु	07/02/2077	गुरु	31/07/2086	शनि	20/02/2099	बुध	15/02/2116
राहु	28/03/2070	गुरु	09/06/2078	शनि	09/09/2087	बुध	09/09/2101	केतु	21/01/2117
गुरु	14/01/2071	शनि	08/01/2080	बुध	05/09/2088	केतु	28/09/2102	शुक्र	22/09/2119
शनि	27/12/2071	बुध	09/06/2081	केतु	01/02/2089	शुक्र	27/09/2105	सूर्य	10/07/2120
बुध	02/11/2072	केतु	08/01/2082	शुक्र	03/04/2090	सूर्य	22/08/2106	चंद्र	09/11/2121
केतु	10/03/2073	शुक्र	09/09/2083	सूर्य	09/08/2090	चंद्र	21/02/2108	मंगल	16/10/2122
शुक्र	10/03/2074	सूर्य	09/03/2084	चंद्र	10/03/2091	मंगल	11/03/2109	राहु	06/11/2123

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 4 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।